No. of Printed Pages : 3

MHD-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2021
एम.एच.डी-1 : हिन्दी काव्य-1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) कल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(*ii*) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।

(*iii*) शेष में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि।
आगे थैं सतगरु मिल्या, दीपक दीया हाथि।
दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट।
परा किया बिसाहणा, बहरि न आवौं हट्ट।

(ख) चरन कमल बंदौ हरि राइ।
जाकी कपा पंग गिरि लंघै अंधे कौ सब कछ दरसाइ॥
बहिरौ सनै गँग पनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराइ।
सरदास स्वामी करुनामय बार-बार बंदौं तिहिँ पाइ॥

(ग) लाल, तम्हारे बिरह की अगनि अनप अपार।
सरसै बरसैं नीर हँ, झर हँ मिटै न झार॥

(घ) जोगह में भोग में बियोग में सँजोगह में
रोगह में रस में न नेकौ बिसराइये।
कहै पदमाकर परी में पन्यसैलन में
फैलन में फैल फैल गैलन में गाइये।
बैरिन में बंध में बिथा में बेसबालन में
बन में बिषै में रनह में जहाँ जाइये।
सोचह में सख में सरी में साहिबा में कहँ
गंगा गंगा गंगा कहि जनम बिताइये।

2. 'पथ्वीराज रासो' के काव्यरूप का विवेचन कीजिए। 10

3. विद्यापति की भाषा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 10

4. जायसी के 'पदमावत' की विषय-वस्त को स्पष्ट कीजिए। 10

5. भक्ति आन्दोलन में सर का महत्व क्या है ? मल्यांकन कीजिए। 10

6. मीरा के विरह वर्णन की विशेषताएँ बताइए। 10

7. घनानंद की कविता में वर्णित प्रेम का स्वरूप समझाइए। 10